**NEWS CLIPPING: 08.07.2021**

**THE PIONEER**

# कानून, साहित्य और भाषा को लेकर दी जानकारी

## साहित्य और संस्कृति से जुड़े मुद्दों पर व्याख्यान आयोजित

**पायनियर समाचार सेवा।** फरीदाबाद

**जेसी** बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के साहित्य और भाषा विभाग द्वारा आयोजित वेबिनार श्रृंखला में आज साहित्य और संस्कृति में विवादास्पद मुद्दे विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय दिल्ली में प्रोफेसर तथा भाषाई न्याय और लुप्तप्राय भाषा केंद्र, के निदेशक प्रो. प्रसन्नान्शु विशेषज्ञ वक्ता रहे, जिन्होंने कानून, साहित्य और भाषा पर व्याख्यान दिया। अपने व्याख्यान के दौरान, उन्होंने सिसेरो से लेकर शेक्सपियर, फ्योडोर दोस्तोवस्की और फ्रांज काफ्का तक के लेखकों के बारे में जानकारी दी। वेबिनार में 200 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

प्रो. प्रसन्नान्शु ने शेक्सपियर के नाटकों और पुराने तमिल ग्रंथों का आधुनिक न्यायशास्त्र और वर्तमान मानव अधिकारों के निर्माण के दृष्टिकोण से विश्लेषण किया। उन्होंने बताया कि कानून हर जगह लागू होता है और हर दिन हम कानूनों से बंधे होते हैं, फिर चाहे वह दैवीय कानून हो या गुरुत्वाकर्षण का नियम। सत्र के दौरान विद्यार्थियों ने छात्रों से संवाद भी किया। इससे पहले विभाग के अध्यक्ष प्रो. अतुल मिश्रा ने फैकल्टी द्वारा नियोजित की जा रही डिजिटल मानविकी परियोजना के तहत फोरेंसिक भाषा विज्ञान से संबंधित कुछ कार्यक्रमों को विकसित करने पर विचार रखे। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. दिव्यज्योति सिंह ने इस प्रस्ताव का स्वागत किया।

**NEWS CLIPPING: 08.07.2021**

## NAVBHARAT TIMES

# कानून, साहित्य और भाषा की दी जानकारी

■ वस, फरीदाबाद: जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के साहित्य और भाषा विभाग की ओर से आयोजित वेबिनार में 'साहित्य और संस्कृति में विवादास्पद मुद्दे' विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय दिल्ली में प्रफेसर प्रसन्नान्शु ने कानून, साहित्य और भाषा पर व्याख्यान दिया। इसमें प्रो. अतुल मिश्रा, डॉ. दिव्यज्योति सिंह, ममता बंसल भी शामिल हुईं।

**NEWS CLIPPING: 08.07.2021**

**PUNJAB KESARI**

# कानून, साहित्य और भाषा को लेकर दी जानकारी

फरीदाबाद, 7 जुलाई (ब्यूरो): जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के साहित्य और भाषा विभाग द्वारा आयोजित वेबिनार श्रृंखला में आज साहित्य और संस्कृति में विवादास्पद मुद्दे विषय पर एक व्या यान का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय दिल्ली में प्रोफेसर तथा भाषाई न्याय और लुप्तप्राय भाषा केंद्र, के निदेशक प्रो. प्रसन्नान्शु विशेषज्ञ वक्ता रहे, जिन्होंने कानून, साहित्य और भाषा पर व्या यान दिया।

अपने व्या यान के दौरान, उन्होंने सिसेरो से लेकर शेक्सपियर, योडोर दोस्तोवस्की और फ्रांज का का तक के लेखकों के बारे में जानकारी दी। वेबिनार में 200 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

*आनलाइन आयोजित व्याखान में भाग लेते हुए प्रोफेसर व विद्यार्थी।*

प्रो. प्रसन्नान्शु ने शेक्सपियर के नाटकों और पुराने तमिल ग्रंथों का आधुनिक न्यायशास्त्र और वर्तमान मानव अधिकारों के निर्माण के दृष्टिकोण से विश्लेषण किया। उन्होंने बताया कि कानून हर जगह लागू होता है और हर दिन हम कानूनों से बंधे होते हैं, फिर चाहे वह दैवीय कानून हो या गुरुत्वाकर्षण का नियम। सत्र के दौरान विद्यार्थियों ने छात्रों से संवाद भी किया। इससे पहले विभाग के अध्यक्ष प्रो. अतुल मिश्रा ने फैकल्टी द्वारा नियोजित की जा रही डिजिटल मानविकी परियोजना के तहत फोरेंसिक भाषा विज्ञान से संबंधित कुछ कार्यक्रमों को विकसित करने पर विचार रखे। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. दिव्यज्योति सिंह ने इस प्रस्ताव का स्वागत किया और कहा कि विभाग सत्र के सार को बहुविषयक शिक्षा परियोजनाओं में बदलने का प्रयास करेगा। सत्र का समापन ममता बंसल के धन्यवाद प्रस्ताव रखा तथा प्रश्नोत्तरी सत्र के विजेताओं की घोषणा की।

**NEWS CLIPPING: 08.07.2021**

## THE TRIBUNE

### LECTURE ON POLEMICAL ISSUES

**Faridabad:** A lecture on 'Polemical issues in literature and culture' was organised by the Department of Literature and Languages, JC Bose University of Science and Technology, as a part of the ongoing webinar series. Prof Prasannanshu, National Law University Delhi (NLUD), Delhi, Centre of Linguistic Justice and Endangered Language, was an expert speaker during the programme who gave a lecture on 'Law, literature and language'.

The Tribune Thu, 08 July 2021
https://epaper.tribune

**NEWS CLIPPING: 08.07.2021**

**HINDUSTAN**

# साहित्य-संस्कृति से रूबरू कराया

**आयोजन**

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

जेसी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के साहित्य और भाषा विभाग द्वारा आयोजित वेबिनार श्रृंखला में बुधवार को साहित्य और संस्कृति में विवादास्पद मुद्दे विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय दिल्ली में प्रोफेसर तथा भाषाई न्याय और लुप्तप्राय भाषा केंद के निदेशक विशेषज्ञ प्रो. प्रसन्नांशु ने कानून, साहित्य और भाषा पर व्याख्यान दिया। उन्होंने सिसेरो से लेकर शेक्सपियर, फ्योडोर दोस्तोवस्की और फ्रांज काफ्का तक के लेखकों के बारे में जानकारी दी। वेबिनार में 200 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रो. प्रसन्नांशु ने शेक्सपियर के नाटकों और पुराने तमिल ग्रंथों का आधुनिक न्यायशास्त्र और वर्तमान मानव अधिकारों के निर्माण के दृष्टिकोण से विश्लेषण किया।

इससे पहले विभाग के अध्यक्ष प्रो. अतुल मिश्रा ने फैकल्टी द्वारा नियोजित की जा रही डिजिटल मानविकी परियोजना के तहत फोरेंसिक भाषा विज्ञान से संबंधित कुछ कार्यक्रमों को विकसित करने पर विचार रखे। कार्यक्रम समंवयक डॉ. दिव्यज्योति सिंह ने इस प्रस्ताव का स्वागत किया और कहा कि विभाग सत्र के सार को बहुविषयक शिक्षा परियोजनाओं में बदलने का प्रयास करेगा। इसके अलावा इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग एवं पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंट्रल लाइब्रेरी के संयुक्त तत्वावधान में शोध पत्रिकाओं में गुणवत्ता अनुसंधान पत्रों के लेखन और प्रकाशन की प्रक्रिया पर ऑनलाइन राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया।

## वेबिनार में देशभर से 100 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए

इस वेबिनार में देशभर से 100 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। वैज्ञानिक अनुसंधान में भारत का योगदान, गुणवत्तापूर्ण लेखन प्रक्रिया, शोध पत्रों को अनुसंधान जर्नल में प्रकाशित करने के विभिन्न चरण आदि पर अपने विचार रखे। उन्होंने वैज्ञानिक शोध तथा शोध के प्रभाव को मापने के तौर-तरीकों की भी जानकारी दी। इलेक्ट्रानिकल इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष प्रो. पूनम सिंघल ने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य शोधार्थियों को प्रभावी ढंग से अनुसंधान करने के लिए जरूरी कौशल और क्षमता प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने की दिशा में काम कर रहा है, ताकि इससे समाज को भी लाभ हो।

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
*(formerly YMCA University of Science and Technology)*
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

**NEWS CLIPPING: 08.07.2021**

## DAINIK JAGRAN

# कानून, साहित्य और भाषा पर व्याख्यान का आयोजन

वि., फरीदाबाद : जेसी बोस (वाईएमसीए) विश्वविद्यालय के साहित्य और भाषा विभाग द्वारा आयोजित वेबिनार श्रृंखला में बुधवार को साहित्य और संस्कृति में विवादास्पद मुद्दे पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय दिल्ली के प्रोफेसर तथा भाषाई न्याय एवं लुप्तप्राय भाषा केंद्र के निदेशक प्रो., प्रसन्नांशु विशेषज्ञ वक्ता रहे। इन्होंने कानून, साहित्य और भाषा पर व्याख्यान दिया। अपने व्याख्यान में उन्होंने सिसेरो से लेकर शेक्सपियर, फ्योडोर दोस्तोवस्की और फ्रांज काफ्का तक के लेखकों के बारे में जानकारी दी। वेबिनार में 200 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

प्रो. प्रसन्नांशु ने शेक्सपियर के नाटकों और पुराने तमिल ग्रंथों का आधुनिक न्यायशास्त्र और वर्तमान मानव अधिकारों के निर्माण के दृष्टिकोण से विश्लेषण किया। इससे पहले साहित्य एवं भाषा विभाग के अध्यक्ष प्रो. अतुल मिश्रा ने फैकल्टी द्वारा नियोजित की जा रही डिजिटल मानविकी परियोजना के तहत फारेंसिक भाषा विज्ञान से संबंधित कुछ कार्यक्रमों को विकसित करने पर विचार रखे। कार्यक्रम समन्वयक डा. दिव्यज्योति सिंह ने इस प्रस्ताव का स्वागत किया।

**NEWS CLIPPING: 08.07.2021**

**AMAR UJALA**

# कानून और भाषा तक की जानकारी दी

**फरीदाबाद।** जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के साहित्य और भाषा विभाग द्वारा वेबिनार का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय विधि बिवि दिल्ली में प्रोफेसर प्रो. प्रसन्नांशु मुख्य वक्ता रहे। उन्होंने कानून, साहित्य और भाषा पर व्याख्यान दिया। वेबिनार में 200 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। ब्यूरो

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
*(formerly YMCA University of Science and Technology)*
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

**NEWS CLIPPING: 08.07.2021**

NAVBHARAT TIMES

# शोध पत्र लेखन के बारे में बताया

**वस, फरीदाबाद:** जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग और पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंट्रल लाइब्रेरी के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को 'शोध पत्रिकाओं में गुणवत्ता अनुसंधान पत्रों के लेखन और प्रकाशन की प्रक्रिया' पर वेबिनार का आयोजन किया गया। इसमें देशभर से 100 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर एसी जोशी लाइब्रेरी, पंजाब विश्वविद्यालय के डिप्टी लाइब्रेरियन डॉ. नीरज कुमार सिंह ने शोध से संबंधित विभिन्न विषयों के बारे में विस्तार से बताया। प्रो. पूनम सिंघल, डॉ. शकुंतला और डॉ. पीएन बाजपेयी भी इसमें शामिल हुए।